झाँसी की रानी

प्रश्नोत्तर -

मौखिक -

1.इस कविता की रचयिता श्रीमती सुभद्रा कुमारी चौहान हैं ।
2.कानपुर के नाना लक्ष्मीबाई को छबीली कहकर बुलाते थे ।
3.लक्ष्मीबाई की दो सखियाँ काना तथा मंदरा थीं ।
4.कविता में रानी लक्ष्मीबाई की गाथाओं का उल्लेख है ।
5.मृत्यु के समय रानी की उम्र तेईस वर्ष थी।

लिखित -

लघु उत्तरीय प्रश्न -

1.इस कविता में 1857 ई॰ अर्थात् भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का उल्लेख किया गया है ।
2.लक्ष्मीबाई कानपुर के नाना साहब की मुँहबोली बहन थी जिसे वे छबीली कहकर संबोधित करते थे ।
3.लावारिस का वारिस बनकर डलहौज़ी झाँसी आया अर्थात् ब्रिटिश शासन ने अपना कार्य आरम्भ किया ।
4.रानी ने लेफ़्टिनेंट वॉकर के समक्ष तलवार खींचकर द्वंद्व अर्थात् संघर्ष किया ।
5.रानी के सामने जनरल स्मिथ तथा पीछे ह्यूरोज था ।इस प्रकार अंग्रेजों की सेना के बीच घिरकर उन्होंने वीरगति प्राप्त की।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न -

1.लक्ष्मीबाई के विवाह का प्रसंग / वीरता एवं वैभव का संगम या मेल / लक्ष्मीबाई की वीरता तथा झाँसी की सम्पत्ति का मेल / राजमहल में ख़ुशियाँ मनाई गई / लक्ष्मीबाई ने योद्धा की भाँति झाँसी में प्रवेश किया /बुंदेलों ने उनके यश की गाथाओं को गाया।

2.लक्ष्मीबाई के पति,गंगाधर राव की मृत्यु एवं पुत्र की मृत्यु के पश्चात रानी का टूटना / गोद लिए पुत्र को वारिस नहीं मानना / डलहौज़ी का मन ही मन प्रसन्न होना क्योंकि उसे झाँसी को हड़पने का सुअवसर प्राप्त हुआ।

3.लक्ष्मीबाई के पति तथा पुत्र की मृत्यु के बाद अंग्रेजों के द्वारा राज्य को हड़पने का अवसर प्राप्त करना / डलहौज़ी ने तुरंत फ़ौज को भेजकर दुर्ग पर अधिकार कर लिया / रानी को विवश होकर वहाँ से जाना पड़ा / झाँसी तब उनके लिए पराई हो गई।

4.यह कविता लक्ष्मीबाई के शौर्य को प्रतिबिंबित करती है / अंग्रेजों के साथ भीषण संघर्ष में लेफ़्टिनेंट वॉकर आगे आया/

युद्ध के दौरान रानी ने अपनी चमचमाती तलवार निकाली/ दो बिना बराबरी के योद्धाओं में युद्ध आरम्भ / रानी के रण कौशल के आगे उसकी एक न चली / शीघ्र ही घायल होकर मैदान छोड़कर भाग गया / एक महिला की वीरता को देख कर उसे अत्यधिक आश्चर्य हुआ।